an>

Title: Need to extend education loan to students on low interest rates on easy terms and conditions.

श्री सुनील कुमार सिंह (चतरा) : देश की आर्थिक गतिविधियों व जी.डी.पी. को बढ़ाने के लिए स्कील्ड मैन पॉवर हो यह बहुत जरूरी है। स्कील्ड मैन पॉवर तैयार करने के लिए उच्च शिक्षा जरूरी है। उच्च शिक्षा आज के युग में बहुत महंगी हो गई है, जिसके लिए विद्यार्थियों को विभिन्न बैंकों से ऋण लेना पड़ता है। आज देश में बैंक कई प्रकार के लोन देते हैं। जिनमें आवास ऋण, वाहन ऋण, व्यक्तिगत ऋण, शिक्षा ऋण आदि है। लेकिन सभी बैंकों की अपनी-अपनी ऋण देने की पॉलिसी है और अपनी -अपनी ब्याज दरें। ज्ञातव्य हो कि देश में सबसे महंगा शिक्षा ऋण है और उसपर ब्याज दर अलग - अलग है। शिक्षा ऋण लेना अन्य ऋणों से बहुत ही जटिल है। शिक्षा ऋण अगर कोई विद्यार्थी पहले वापस लौटाना चाहता है तो उसको छूट नहीं दी जाती है तथा पैनल्टी स्वरूप राशि अधिक वसूली जाती है। भारत युवाओं का देश है, जिसे ग्लोबल पॉवर बनाना है। मैन पॉवर है लेकिन स्कील्ड नहीं है। इसलिए देश उतनी तरक्की नहीं कर पा रहा है जितनी होनी चाहिए।

अतः मैं भारत सरकार के वित्त मंत्रालय से मांग करता हूँ कि शिक्षा ऋण को पूंजीगत निवेश माना जायें। इस मद में लेने वाले ऋणों पर ब्याज दर सबसे कम हो और प्रक्रिया सरल व सुलभ बनाई जायें। समय से पहले ऋण वापसी पर ब्याज में छूट देने का प्रावधान किया जाये। केन्द्र सरकार सभी सरकारी व निजी बैंकों को इसके लिए निर्देश जारी करें।